

First Edition Published in 2016 by
TWENTYFIRST CENTURY PUBLICATIONS, PATIALA
 # 79, Sheikhpura, P.O. Punjabi University, Patiala (PB) - 147002
 Ph. 0175-3202003, 92167-53888
 e-mail : rinku_randhawa77@yahoo.com

The responsibility for the facts or opinions expressed in the papers are entirely of the authors. Neither the College nor the publisher are responsible for the same.

© Reserved

REINVENTING PUNJAB

by
Dr. Sonu Grewal, Chetna Bharti & Mr. Vikramjit Singh

ISBN: 978-93-85447-27-3

Price : 600/-

Laser Type Setting
Roshan Dhindsa & Manpreet Singh

Printed in India at
Twentyfirst Century Printing Press, Patiala

52.	TRANSITION: A PUBLIC HEALTH CONCERN — <i>Freudman R. & Gupta M.</i>	199-200
53.	LUNG NODULE FEATURE EXTRACTION AND SCOPE OF CLASSIFICATION FOR IMPROVED NEURAL NETWORK ALGORITHM — <i>Manoj Kumar, Dr. Kulinder Singh Mann, & Mekanraj Singh</i>	199-206
54.	<i>Guest</i>	207
55.	HEALTH FACILITIES IN THE STATE OF PUNJAB — <i>Dharm Singh</i>	256-261
56.	COMPARATIVE ANALYSIS ON CANCER USING DECISION TREES — <i>Karanjoti Singh & Dr. Ajay Shik Sharma</i>	304-307
57.	REVIEW: DECOMPOSITION OF AN EEG SIGNAL WITH EMPERICAL MODE DECOMPOSITION AND DISCRETE WAVELET TRANSFORMATION FOR EPILEPSY DETECTION — <i>Sameep Preet Kaur & Gurvinder Singh</i>	308-314
THEME - VII THE PUNJABI DIASPORA		
58.	ਪੰਜਾਬੀ ਭਾਗੀਨਾਮਾਵਾਂ, ਵਿਅਕਤੀਵਾਦ ਅਤੇ ਨਿਬੰਧ ਸੰਗ੍ਰਹਿ — <i>ਐਚ. ਅਮਰ ਸਿੰਘ ਸਿੰਘ</i>	317-322
59.	PUNJABI DIASPORA: CONTRIBUTION AND PROBLEMS — <i>Bajir Kumar Sharma</i>	323-325
60.	ਪੰਜਾਬੀ ਭਾਗੀਨਾਮੇ — <i>ਅਨਵਿੰਦਰ ਸਿੰਘ</i>	326-328
THEME - VIII PUNJABI CULTURE		
61.	EMERGENCE OF PUNJABI CINEMA : PRE INDEPENDENCE TO NEW DIGITAL ERA — <i>Nawalpreet Singh & Dr. Jayanta Panda</i>	331-334
62.	ਪੰਜਾਬੀ ਸਿਨੇਮਾਗ੍ਰਾਫੀ ਦੇ ਚਰਚੇ ਪਹਿਲੀ — <i>ਡਾ. ਅਮੀਤ ਸਿੰਘ</i>	337-341
63.	ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਪੰਜਾਬੀ ਸੰਸਕ੍ਰਿਤੀ ਦੇ ਚਰਚੇ ਪਹਿਲੀ — <i>ਡਾ. Gurmehar Kaur</i>	343-344
64.	ਪੰਜਾਬੀ ਸਿਨੇਮਾਗ੍ਰਾਫੀ — <i>ਡਾ. ਅਮੀਤ ਸਿੰਘ</i>	347-348
65.	ਪੰਜਾਬੀ ਸਿਨੇਮਾਗ੍ਰਾਫੀ ਦੇ ਚਰਚੇ ਅਤੇ ਚਰਚਾ ਵਿਸ਼ੇਸ਼ ਵਿਸ਼ੇਸ਼ ਦੇਵ-ਸਿੰਘ ਦੇ ਚਰਚੇ ਵਿਸ਼ੇਸ਼ ਵਿਸ਼ੇਸ਼ ਅਤੇ ਚਰਚਾ — <i>ਡਾ. ਅਮੀਤ ਸਿੰਘ</i>	350-353

पंजाब की धरोहर शास्त्रीय संगीत में पंजाबी वन्दिशें

*Dr. Gurngharan Kaur**

पंजाब भारत का वह प्रदेश है जहाँ सर्वप्रथम मानवी सभ्यता एवं संस्कृति ने जन्म लिया। पंजाबी अंचल में
के बुध्द एवं ब्याल के अनेक धारणे एवं उनके सम्बद्ध संगीततत्वों ने अपनी अमूल्य रचनायों द्वारा भारतीय शास्त्रीय
के क्षेत्र में एक महान् देन दी है। वेस पंजाब के संगीततत्वों ने उत्तरी भारतीय शास्त्रीय संगीत की सभी विधायों में महान्
रचनाये की हैं। किन्तु इस लेख में विशेष रूप से ब्याल महान् विद्या पर ही प्रकाश डाला गया है।

आज ख्यात होसी सबसे अधिक प्रचार में है। यह कौनो भारतीय संगीत की आधुनिकता शैली है। यह कुछ उपचार्य 'ध्यानाल' है। ख्यात बन चुका अब इसी नाम का नन्द है जिसका अर्थ हैविचार, ध्यान, भावना, अनुमान आदि। ख्यात का जन्म 15वीं शताब्दी के उत्तरार्ध में जैनपुर के तुर्कशासन सुल्तान हुसैन अलया अलम दरबार गायकों द्वारा हुआ, ऐसा तब भारतीय संगीत में प्रचलित है। जो ख्यात नाम आज तक उपलब्ध उल्लेख 18वीं शताब्दी के पुर्नार्ध में गुप्त काल मुहम्मद आद रंगिते के दरबारी गायकों के संदर्भ में मिलता है जिन्होंने हजारों की संख्या में हिन्दी और पंजाबी में ख्यात की वीडियों की रचना कर भारतीय मागीतों की मूल वृत्ति की।

साधारण अर्थ में जो गीत अथवा रचना, स्वर एवं छंद में समान रूप है भाव से मनोमुग्धकारी हो उसे ही वंदिश कहते हैं। वर्तमान काल में किसी भी संगीत विद्वान द्वारा की गई रचना को 'वंदिश' की संज्ञा दी जाती है इस ताल व काव्य राधानालक बंधन को ही 'वंदिश' कहना उपयुक्त लगता है। यह एक प्रकार से कलाकार की कलात्मकता की रूपरेखा है। वंदिश राग की एक विशेष आकृति है।²

बहिष्पन्न मूलतः फ़ारसी भाषा का शब्द है। इस का वास्तविक अर्थ यौनधर्म की क्रिया या भाव, गोंद निराकरण की रचना लिखा जा सकता है या अभिजात संगीत के लिये उपयुक्त गंध शब्द रचना करने की प्रक्रिया को भी कहना जा सकता है। समय के सार्यसाय छंद की रचना का अर्थ बदलकर स्वर, लय, राग और तात्त पर फ़ारसी अभिजात कंठ संगीत की रचना हो गया।²

५० दलीप चन्द्र वेदी के अनुसार बंदिश फूलों का गुलदस्ता है जिसमें राग, ताल को दर्शाने के नियम हैं।
बन्धु के अनुसार 'एक अच्छी बंदिश जो कि कुर्जनों से अच्छी तरह सीखकर अच्छी तरह से गा दी जाये तो

* Senior Assistant Professor, Mata Sundri College for Woman University of Delhi.